समय २.३० घंटे **कुल अंक: ७५**

सूचना: १.सभी प्रश्न अनिवार्य |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं |

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं)

प्रश्न १. **निम्नलिखित अवतरणों के सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए |** **(३०)**

क. हरि नांव' हीरा हरि नांव हीरा ।
हरि नांव लेत' मिटै सब पीरा ॥ टेक ॥
हरि नांव जाती हरि नांव पांती ।
हरि नांव सकल जीवन मैं' कांती ॥ १ ॥
हरि नांव सकल सुषन की रासी ।
हरि नांव काटै जम की पासी ॥ २ ॥
हरि नांव सकल भुवन' ततसारा' ।
हरि नांव" नामदेव उतरे पारा ॥ ३ ॥

अथवा

काहे कू' कीजै ध्यांन जपना' । जो मन नाहीं सुध अपना ॥ टेक ॥
सांप कांचली छाडे। विष नहीं छाडे। उदिक मैं बग ध्यान माडै ॥ १ ॥
स्यंघ के भोजन कहा लुकाना। ये सब झूठे देव पुजाना ॥ २ ॥
नामदेव का खामी मांनिंले झगरा। रांम रसांइन पीवरे भगरा ॥ ३॥

ख. क्यों छोड़ा है गुण से नाता ?'
झाड कल्पतरु | न करी याचकीं आव्हेरू ।।१।।
तुम्ही सर्वा सर्वोत्तम । ऐसे विसरतां धर्म।।2।1
परिसा तुमचे देणें । तो त्या जाग अभिमानें।।३।
गान्हाण्यानें तुका । गर्जे मारुनियां हाका ।४।

अथवा

आओ, चलें, संतों के मारग'
पुढे पडगेले त्यांचा शोधित मारग। चला जाउ माग घेत आम्ही ।
वंदू चरणज सेवूं उष्टावळी । पूर्वकर्मा होळी करूनी सांडू।।२।
अमुप हे गांठी बांधू भांडवल, अनाथा विठ्ठल आम्हां जोगा।।3।
अवघे होतील लाभ एका या चिंतने । नामसंकीर्तनें गोविंदाच्या।।४।।
जन्ममरणाच्या खुंटेतील खेपा । होईल हा सोपा सिद्ध पंथ ।
तुका म्हणे घालूं जीवपण चिरा । जाऊ त्या माहेरा निजाचिया ।।६।।

XSAGARDADMINYB850EBXSAGARDADMINYB850EB

प्रश्न २. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखो |** **(३०)**

च. वारकरी सम्प्रदाय के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके कार्य को विशद किजिये |

अथवा

सन्त नामदेव की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिये।

छ. संत तुकाराम महाराज के जीवन वृतांत का वर्णन कीजिए।

अथवा

तुकाराम गाथा में समाज हित और राष्ट्र हित नीहित है | समझाइए |

प्रश्न ३. **निम्नलिखित मुद्दों पर टिप्पणी कीजिए** **(१५)**

ट. संत नामदेव के गुरु

अथवा

नामदेव की यात्रायें

ठ. वारकरी संप्रदाय के कार्य

अथवा

तुकाराम का कष्टकाल

ड. तुकाराम के गाथा लेखन के प्रेरणा

अथवा

तुकाराम का विवाह

XSAGARDADMINYB850EBXSAGARDADMINYB850EB